बुधवार

31 दिसम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 327
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लोको ट्रेनों के आपस में टकराने से घायल श्रमिकों का धामी ने जाना कुशलक्षेम

संवाददाता

चमोली। पीपलकोटी स्थित निर्माणाधीन टीएचडीसी विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीबीएम साइट पर शिफ्ट परिवर्तन के दौरान सुरंग के भीतर मजदूरों को लाने-ले जाने वाली दो लोको ट्रेनों की आपस में टक्कर में घायल श्रमिकों का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुशलक्षेम की जानकारी लेकर हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

आज यहां चमोली जनपद के पीपलकोटी स्थित निर्माणाधीन टीएचडीसी विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीबीएम साइट पर शिफ्ट परिवर्तन के दौरान सुरंग के भीतर मजदूरों को लाने-ले जाने वाली दो लोको ट्रेनों की आपस में टक्कर हो गई, घटना के समय 109 श्रमिक सुरंग के भीतर मौजूद थे। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी चमोली से दूरभाष पर वार्ता कर घटना

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के सुरंग में हुई थी दो लोको ट्रेनों की टक्कर

की पूरी जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने और आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सालयों में रेफर करने के निर्देश दिए। हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार तत्काल जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचे तथा वहां भर्ती घायलों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और चिकित्सकों को घायलों के समुचित एवं बेहतर उपचार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार ने जानकारी दी कि 70 श्रमिकों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया, जिसमें से 66 का प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया है 04 श्रमिकों को जिला चिकित्सालय में एडमिट किया गया है। पीपलकोटी विवेकानंद चिकित्सालय में 18 श्रमिकों का प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया है। 21 श्रमिकों को कोई चोट नहीं लगी है, वे घटना स्थल से ही घर चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

अलविदा 2025

अब भूल जाइए 2025, आपने वह गाना तो सुना होगा 'जो चला गया उसे भूल जा, जी हां 2025 भी चला जा चुका है और आपके दरवाजे पर 2026 एक नया इतिहास लिखने के लिए आपके घर के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है उसका स्वागत कीजिए और उसकी आवाज सुनने की कोशिश भी कीजिए। नवागन्तुक बच्चे की किलकारियों से घर आंगन गुंजायमान होता है तो उसे वक्त सभी को एक अद्भुत सुखद अनुभूतियां होती है। याद कीजिए 2014 के उस दिन को जब प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने देश की सत्ता संभाली थी। देश के हर एक नागरिक को ऐसा लग रहा था कि 'दुख भरे दिन बीते रे भैया अब सुख आयो रे। लेकिन आजादी के अमृत काल की इस बेला में हर कोई अपने आप को लुटा-पिटा और लाचार तथा परेशान महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इससे नहीं बच सके हैं 2014 कि उनकी कोई तस्वीर निकाल लीजिए और 2025 की यह फर्क आपको खुद समझ आ जाएगा। बीते 11 साल उनके कार्यकाल के जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुके हैं उन्हें न तो भाजपा बदल सकती है और न वह संघ बदल सकता है जिसे अभी इसी साल मोदी ने उसके जयंती वर्ष पर दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ बताया था। आज स्थिति ठीक वैसी ही है जो 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत, जैसी ही है। वक्त ना तो किसी का इंतजार करता है और न किसी के लिए ठहरता है भले ही वह आज भी अपने 0.3 के कार्यकाल में खुद ही मुख्य सेवक की कुर्सी पर बैठे हो और उन्होंने अपने कार्यालय का नाम भी सेवा तीर्थ रख लिया गया हो लेकिन उनके 11 साल के कार्यकाल के लिए किए गए तमाम फैसले देशवासियों और देश की अदालतों द्वारा गलत तथा गैर संवैधानिक ठहराए जा रहे हैं उनकी विफलता का कहानी खुद बयां करते हैं। नोटबंदी से लेकर जीएसटी और चुनावी बांड के अलावा देश के बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों को चंद कारोबारियों के हाथों में सौंपने का जो कारनामा उनकी सरकार द्वारा किया गया है उससे देश के एम एस एम ई सेक्टर पूरी तरह तबाह हो गया है। देश के युवा बेरोजगार दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं भ्रष्टाचार और महंगाई अपने चरम पर है तथा समाज में क्षेत्र, धर्म और जाति के नाम पर जो नफरत का तांडव देखा जा रहा है वह देश तथा समाज के लिए किसी सुभता का सूचक नहीं है। रही सही कोर कसर भाजपा और उनके अनुषांगिक दलों के कार्यकर्ताओं के उत्पात ने पूरी कर दी है अपने आप को चाल चरित्र और अनुशासित बताने वाली इस पार्टी के नेताओं के महिलाओं के साथ दुष्कर्म के कारनामों ने इन्हें पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। बात चाहे उन्नाव रेप कांड की हो या फिर उत्तराखंड की अंकिता भंडारी हत्याकांड की भाजपा नेताओं के पास कहने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। अभी दून में त्रिपुरा के एक छात्र की नस्लीय संघर्ष में हत्या तथा देशभर में क्रिसमस पर हिंदूवादी संगठनों का तांडव तथा तोड़फोड़ जिसकी खबरें न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अखबारों की पहले पन्नों की पहली खबर बन रही है और पूरे विश्व में भारत की छवि खराब हो रही है। इसके लिए कोई और नहीं खुद मोदी और उनकी सरकार जिम्मेदार है। विश्व में शुरू हुए टैरिफ ने भी भारत की कमर तोड़ दी है जिस अमेरिका भारत द्वारा सबसे अधिक निर्यात किया जाता है उसने 50 फीसदी का टैरिफ ठोक दिया है। यह है हमारा नया भारत इस पर गर्व की करिए।

कार्मिक एवं पेंशनर्स इलाज के लिए खा रहे हैं दर-दर की ठोकरें: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि कार्मिकों एवं पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड की विसंगतियां एवं अन्य लापरवाही के चलते अधिकांश सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज नहीं मिल पा रहा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में प्रदेश के कार्मिकों/पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड से इलाज दिलाने में नाकाम हो चुके स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत की बर्खास्तगी को तहसील में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबंधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी, विकासनगर विनोद कुमार को सौंपा। नेगी ने कहा कि प्रदेश के कार्मिकों एवं पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड की विसंगतियां एवं अन्य लापरवाही के चलते अधिकांश सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण कार्मिक इलाज कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। कई पेंशनर्स तो रिश्तेदारों व दोस्तों से उधारी व ब्याज पर कर्ज लेकर इलाज करा रहे हैं, जोकि बहुत ही चिंताजनक है। नेगी ने कहा कि इसके साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री के गैर जिम्मेदाराना रवैये एवं अधिकारियों पर नियंत्रण न होने के कारण अस्पतालों में लूट-खसोट, आपात स्थिति में इलाज न मिलने, रेफरल सिस्टम, गर्भवती माताओं की इलाज न मिलने से हो रही मौत, खराब मशीनें, स्टाफ की कमी, दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों की तैनाती न होने आदि तमाम अव्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार लाने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री नाकाम हो चुके हैं। नेगी ने कहा कि विगत कुछ माह से, जिस प्रकार स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हुई हैं तथा विभागीय मंत्री का अस्पतालों पर कोई नियंत्रण न होना, सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों द्वारा की जा रही लूट-खसोट,आयुषमान के मरीजों से बीमारी के नाम पर अतिरिक्त पैसे वसूलने, फर्जी बिल, आपात स्थिति में बाह्य मरीजों को आईसीयू/ वेंटिलेटर की सुविधा न मिलने आदि तमाम अव्यवस्थाओं ने स्वास्थ्य मंत्री की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। कुछ माह से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को इलाज न मिलने के कारण मौतों में भी काफी इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री की मौज मस्ती एवं ढीली पकड़ के कारण न्यायालय लगातार अधिकारियों को इन अव्यवस्थाओं को लेकर तलब पर तलब किये जा रहा है। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि ऐसे विफल व गैर जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर बाहर का रास्ता दिखाएं।

घेराव/प्रदर्शन में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार , विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, मोहम्मद आरिफ, गालिब प्रधान, हाजी असद, रूपचंद, सलीम मुजीब रहमान, महेंद्र सिंघल, सुधीर गौड, प्रवीण शर्मा पिन्नी, वाहिद कुरैशी, दीपांशु अग्रवाल, राजेंद्र पंवार, नरेंद्र तोमर, गजपाल रावत, मान चंद्र राणा, परवीन, इदरीश, सफदर, विक्रम पाल, नाहिद खान, इमरान, मनीष कुमार, बुशरा, हुमा खान, क्रिस्टीना, रईस, रहमान आदि मौजूद थे।

दून में ठिठुरन, लोगों ने जलाये अलाव

संवाददाता

देहरादून। दून में ठिठुरन के साथ ही मौसम ने करवट ली। जिसके चलते लोगों ने अलाव जलाकर ठंड से राहत ली।

आज यहां सुबह से ही मौसम ने करवट बदल ली। सूरज के बादलों में छुपने के कारण सुबह से ही कोहरा छाया रहा और ठिठुरन बढ गयी। शहर में जगह-जगह लोगों ने अलाव जलाकर ठिठुरन से राहत पाने की कोशिश की लेकिन बादल छाने से सर्दी ने लोगों को घरों में बैठने के लिए मजबूर कर दिया। मौसम विभाग ने आज बारिश का एलर्ट किया था, बारिश तो नहीं हुई लेकिन बादल छाने से ठिठुरन बढ गयी और लोगों को अलाव का सहारा लेना पडा। वहीं जिला प्रशासन ने भी शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव के लिए लकडियों की व्यवस्था की जिससे लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समस्त प्रदेशवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। नववर्ष की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की है।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की अब तक की विकास यात्रा उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। राज्य की विकास यात्रा संघर्ष, समर्पण और प्रगति की एक प्रेरक गाथा को प्रस्तुत करती है। राज्य आंदोलन के मूल में उत्तराखण्ड के समग्र एवं संतुलित विकास की अवधारणा निहित रही है। इसी भावना को मूर्त रूप देने के लिए पारदर्शिता, जन-सहभागिता एवं नई कार्यसंस्कृति के साथ विकास की एक नई गाथा लिखने की उल्लेखनीय पहल की गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र आर्थिक विकास के प्रयासों के साथ-साथ प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण, पर्यटन, खेती, बागवानी एवं पशुपालन जैसे संभावनाशील क्षेत्रों में किए गए अभिनव और दूरगामी प्रयासों से प्रदेश को देश में एक अलग पहचान मिली है। विकास के प्रति हमारे संकल्पों का ही

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'126वीं जयंती पर कांग्रेसी सांसद महावीर त्यागी को याद किया'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी देहरादून की लोकसभा सीट के पहले कांग्रेसी सांसद महावीर त्यागी की 126 वीं जयंती पर अर्पित किए गए श्रद्धा सुमन।

अ.भा.स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महापरिषद तथा संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा संयुक्त रूप से परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता अवधेश पंत ने की। दून में दशकों बाद की गई इस पहल में महावीर त्यागी के नाती सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता अनिल नौरिया भी शामिल थे जिन्होंने त्यागी के व्यक्तित्व त्याग,समर्पण से संबंधित कई स्मरण सुनाए। स्व. त्यागी के चित्र पर सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। संचालन अवधेश पंत ने किया।

गोष्ठी में डीएवी कालेज पी जी कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य दिनेश सक्सेना ने इनके आजादी के आंदोलन में दिए गए योगदान को अभूतपूर्व बताया। अवधेश पंत ने कहा पूर्व सांसद के इस कथन क्या इसलिए चुनवाए थे तकदीर ने तिनके, कि बन जाय नशेमन तो कोई आग लगा दे, आज भी सत्ताधारियों को सार्थक संदेश दे रहा है।

मैती के पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा जलियांवाला बाग कांड में हुए नरसंहार से आक्रोशित त्यागी महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुए आंदोलनों में कई बार गिरफ्तार हुए और तत्कालीन संयुक्त प्रांत के बिजनौर, नगीना,मेरठ, फैजाबाद,नैनी,आगरा, बुलंदशहर की जेलों में 11 वर्ष कैद में बिताए। त्यागी सभा के रामनरेश त्यागी ने बताया 1925 में देशभक्त शर्मदा त्यागी से विवाह होने के बाद ये दून के निवासी बन गए। यहां शहर तथा पहाड़ी क्षेत्रों में आजादी के संग्राम का डंका बजाने लगे। अवधेश शर्मा ने बताया दून के जौनसार भाबर क्षेत्र में भूमि सुधार व किसानों के कर्ज की समस्या को हल करने के लिए बनी कमेटी के माध्यम से इन्होंने कर्ज मुक्ति कानून भी बनवाया था। गिरीश चंद्र भट्ट ने कहा वे त्याग तपस्या और लगन के पक्के परन्तु भावुक,ईमानदार, समर्पित कांग्रेस के नेता थे। समन्वय समिति के एस एस गुसाई ने

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

वह वर्ष जिसने उन्हें संवारा: सोनी सब के सितारों ने 2025 के प्रभाव और 2026 के संकल्पों पर की बात

जैसे-जैसे 2025 का साल समाप्त हो रहा है, सोनी सब ने शानदार कहानियों के साथ भारतीय टेलीविजन के कुछ सबसे पसंदीदा पात्रों को आपके घरों तक पहुँचाया है। भावनाओं और साहस से भरी इन कहानियों ने दर्शकों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। इस साल की अविस्मरणीय यात्रा को याद करते हुए, सोनी सब की प्रसिद्ध अभिनेत्रियाँ- श्रेनु पारिख, करुणा पांडे और सुम्बुल तौकीर -अपने सबसे प्रभावशाली क्षणों को साझा कर रही हैं और 2026 के लिए अपनी उम्मीदों और संकल्पों के बारे में बता रही हैं।

गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं

श्रेनु पारिख ने कहा, 2025 मेरे लिए खुद को फिर से खोजने का साल रहा। एक ब्रेक के बाद टेलीविजन पर वापसी करना और पार्वती की गरिमा व शक्ति को जीवंत करने की चुनौती को स्वीकार करना, मुझे याद दिला गया कि मुझे इस कला से प्यार क्यों है। इस भूमिका ने मुझे हर दृश्य में संतुलन, गहराई और ईमानदारी खोजने के लिए प्रेरित किया। दिव्य स्वरूप को निभाने से जो स्पष्टता मुझे मिली, उसने मुझे पहले से कहीं अधिक दयालु और साहसी बनाया है। 2026 में मैं सेट पर इसी उद्देश्य के साथ काम करना चाहती हूँ और मेरा संकल्प है कि मैं जो कुछ भी करूँ, उसमें इरादे, फोकस और प्रामाणिकता के साथ आगे बढ़ूँ।

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, इस साल पुष्पा ने मुझे सरप्राइज देना जारी रखा- वह फिर से छात्रा बनी, कानून की पढ़ाई की और अपना व्यवसाय बढ़ाया। मुझे एहसास हुआ कि उसका विकास ही मेरा विकास है। सबसे यादगार पल कोई एक दृश्य नहीं, बल्कि उसकी छोटी-छोटी जीतें थीं। 2025 ने मुझे याद दिलाया कि टेलीविजन एक जिम्मेदारी है और छोटी-छोटी खुशियाँ ही मिलकर बड़ा प्यार और खुशी बनाती हैं। 2026 के लिए, मेरा संकल्प है कि मैं पुष्पा के किरदार में अपनी पूरी आत्मा झोंक दूँ, ताकि पर्दे पर वह गहराई और लचीलापन दिखे जिसकी दर्शक उम्मीद करते हैं। मैं उस साधारण महिला का जश्न मनाना जारी रखना चाहती हूँ जो असाधारण काम करती है।

इत्ती सी खुशी में अन्विता का किरदार निभा रहीं सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, 2025 ने मुझे पर्दे पर और पर्दे के बाहर नए रिश्ते बनाने और जुड़ाव के बारे में बहुत कुछ सिखाया। मेरे लिए सबसे खास पल वह था जब मैंने उन युवा दर्शकों के संदेश पढ़े जिन्होंने कहा कि अन्विता की कहानी उनके अपने जीवन की झलक है। यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि हमारी कहानी ने केवल मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि लोगों की वास्तविक भावनाओं को छुआ। 2026 के लिए मेरी उम्मीद है कि हम ऐसे ही पल बनाते रहें जिससे लोग जुड़ाव महसूस करें। मेरा संकल्प अपनी खुशियों को संवारना और दर्शकों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत बनाना है।

गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय, इत्ती सी खुशी, और पुष्पा इम्पॉसिबल देखें, हर सोमवार से शनिवार केवल सोनी सब पर।

टैटू गुदवाने से पहले जान लें इनसे जुड़े भ्रम और उनकी हकीकत

पहली बार टैटू गुदवाना रोमांचक के साथ-साथ डरावना भी हो सकता है और डर का कारण इससे जुड़े भ्रम होते हैं, जिन्हें लोग सच मानते हैं। तरह-तरह की डिजाइन वाले टैटू देखने में तो काफी अच्छे लगते हैं, लेकिन इन्हें बनवाने से पहले इनसे जुडे भ्रम और उनके पीछे की हकीकत जान लेना अच्छा रहेगा। आइए आज हम आपको टैटू से जुड़े 5 सामान्य भ्रम और उनकी सच्चाई के बारे में बताते हैं।

भ्रम- टैटू प्रक्रिया के दौरान बहुत खून बहता है

टैटू गुदवाने से जुड़ा यह सबसे आम भ्रम यही है कि इसकी प्रक्रिया के दौरान बहुत खून बहता है। सच यह है कि टैटू गुदवाते समय थोड़ा खून निकलने की संभावना रहती है, लेकिन वह भी कुछ ही मिनटों में रूक जाता है। वहीं टैटू गुदवाने के दौरान कुछ लोगों का तो एक बूंद भी खून नहीं निकलता है। ऐसे में चिंता की कोई बात नहीं है।

भ्रम- टैटू स्थायी होते हैं और हमेशा के लिए रहते हैं

यह भ्रम तो काफी सालों से कायम है कि टैटू स्थायी होते हैं और हमेशा के लिए रहते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। सच्चाई यह है कि विभिन्न क्रीम और लेजर उपकरणों के माध्यम से टैटू हटाना संभव है। ये उपकरण या तो आपके टैटू को पूरी तरह से गायब कर सकते हैं या इनके रंग को हल्का कर सकते हैं। त्वचा से टैटू हटाने के लिए इन 5 घरेलू नुस्खों को अजमाएं।

भ्रम- टैटू गुदवाने से एड्स या कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती हैं

एक भ्रम यह भी है कि इसे गुदवाने से एड्स या कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। अगर आप किसी ऐसी जगह से टैटू गुदवाते हैं, जहां पर स्टरलाइजेशन से लेकर हाइजीन तक का ख्याल रखा जाता है और हर बार फ्रेश सुई का इस्तेमाल किया जाता है तो आपको इस बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। बस यह ध्यान रखें कि हमेशा किसी अनुभवी आर्टिस्ट से ही टैटू गुदवाएं।

भ्रम- टैटू गुदवाने के बाद सरकारी नौकरी नहीं मिलती है

आपने कई लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि टैटू गुदवाने के बाद सरकारी नौकरी नहीं मिलती है, लेकिन ऐसा नहीं है। अब टैटू गुदवाना आपके पेशेवर क्षमता को तय करने वाला पैरामीटर नहीं है। टैटू निजी जीवन का एक हिस्सा है, जिसका पेशेवर सेटअप से कोई लेना-देना नहीं है। यहां तक कि सरकारी संगठन (भारतीय सेना और वायु सेना आदि) छोटे टैटू गुदवाने की अनुमति देते हैं।

भ्रम- टैटू गुदवाने के बाद व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकता

अगर आपका मानना भी यही है कि टैटू गुदवाने के बाद व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकता है तो बता दें कि यह सिर्फ एक भ्रम से ज्यादा और कुछ नहीं है। वास्तव में कोई व्यक्ति टैटू गुदवाने के बाद भी रक्तदान कर सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, टैटू गुदवाने के लगभग 6 महीने के बाद व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। हालांकि, अगर उसे किसी तरह का संक्रमण है तो वह रक्तदान नहीं कर सकता है।

किस तरह कम करें बेली फैट यानी पेट की चर्बी

कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश लॉकडाउन में के चलते कई ऐसे लोग हैं जो वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम यानी ऑफिस का काम घर से ऑनलाइन करना। वर्क फ्रॉम होम सुनने में जितना आसान लगता है वास्तविकता में ऐसा होता नहीं है। दरअसल, ऑफिस में टेबल चेयर और एक सिस्टम पर काम करना ज़्यादा प्रोफेशनल होता है। वर्क फ्रॉम होम के दौरान शायद ज़्यादातर लोग ऐसे होंगे जो अपना लैपटॉप लेकर या तो बिस्तर पर बैठे काम कर रहे होंगे या कुछ जमीन पर भी। ऐसे में कई बार स्ट्रेस काफी ज़्यादा तो होता ही है साथ ही पोश्चर सही न होने की वजह से पेट और कमर के आसपास की चर्बी भी बढ़ सकती है। आइए हेल्थलाइन के हवाले ऐसे जानते हैं कि किस तरह आप बेली फैट यानी पेट की चर्बी कम कर सकते हैं।।।

घुलनशील फाइबर का करें सेवन:

खाने में ऐसे आहार को शामिल करें जिसमें प्रचुर मात्रा में घुलनशील फाइबर पाया जाता है। यह फाइबर कैलोरी को सोख लेता है। घुलनशील फाइबर इन फ़ूड आइटम्स में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है:अलसी का बीज, शिराताकी नूडल्स, ब्रसल स्प्राउट, एवोकेडो, फलियां और काले शहतूत।

ट्रांस फैट वाले खाद्य पदार्थों से रहें दूर:

कुछ अध्ययनों में यह बात सामने आयी है कि पेट की चर्बी बढ़ने का ट्रांस फैट के ज़्यादा सेवन से गहरा कनेक्शन है। चाहे आप अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हों, ट्रांस फैट का खाने में कम से कम इस्तेमाल करें।

अल्कोहल बहुत कम मात्रा में लें:

अगर आप ज़्यादा मात्रा में शराब का सेवन करते हैं तो आपकी बेली फैट यानी कि तोंद बढ़ सकती है। अगर आप कमर के बढ़ते हुए घेरे को कम करना चाहते हैं तो शराब का सेवन बिलकुल संतुलित मात्रा में करें और चाहें तो न ही करें।

हाई प्रोटीन युक्त डाइट लें:

अगर आप अपनी कमर के आसपास के घेरे को कुछ कम करना चाहते हैं तो ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जिनमें प्रोटीन की प्रचुर मात्रा होती है। फिश, दाल, और बीन्स में प्रोटीन काफी मात्रा में पाया जाता है।

तनाव से रहें दूर:

तनाव आपकी कमर और पेट के आसपास की चर्बी को बढ़ा सकता है। लेकिन अगर आप अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो तनाव कम करना आपकी प्रायोरिटी लिस्ट में शामिल होना चाहिए। दरअसल स्ट्रेस से एड्रिनल ग्रंथि में कोर्टिसोल हार्मोन ज़्यादा मात्रा में बनने लगता है। कोर्टिसोल हार्मोन को स्ट्रेस हार्मोन कहा जाता है। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि कोर्टिसोल हार्मोन की ज़्यादा मात्रा होने से भूख काफी तेज लगती है और इससे पेट की चर्बी बढ़ती है।

हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस का ट्रेलर आखिरकार रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी नई जासूसी कॉमेडी हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस' का ऐलान बड़े ही मजेदार और हटके अंदाज में किया था, जिसने दर्शकों की जिज्ञासा तुरंत बढ़ा दी थी। वीर दास के निर्देशन में बनी और उन्हीं के साथ मोना सिंह की अहम भूमिका वाली इस फिल्म का अनाउंसमेंट खुद में एक फन पैकेज था, जिसने हर तरफ चर्चा पैदा कर दी। अब जब उत्साह अपने चरम पर है, तो फिल्म का ट्रेलर सामने आ चुका है, जो भरपूर हंसी, मस्ती और मनोरंजन का वादा करता है।

अब हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह मजे को एकदम नए लेवल पर ले जाता है। ट्रेलर में जबरदस्त ह्यूमर और कई मज़ेदार, हटके पल देखने को मिलते हैं, जो साफ संकेत देते हैं कि फिल्म पूरी तरह एंटरटेनमेंट से भरी होने वाली है। निर्देशक और अभिनेता दोनों की भूमिका में वीर दास अपनी अलग और फ्रेश कॉमेडी स्टाइल लेकर आए हैं, जो खूब हंसाने वाली है। एनर्जी, चार्म और यंग वाइब से भरा यह ट्रेलर फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ा रहा है।

हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस के ट्रेलर में वीर दास एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आते हैं, जहां वह एक परफेक्ट लेकिन थोड़े इम्परफेक्ट जासूस बने हैं, जो एक मिशन पर निकले हैं। कहानी आगे बढ़ते ही वह मुसीबतों में फंस जाते हैं और फिर शुरू होता है पूरा हंगामा, जो देखने में बेहद मजेदार लगता है। मोना सिंह अपने रॉ और दमदार अवतार से चौंकाती हैं, जैसा उन्हें पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया, वहीं मिथिला पालकर अपनी अलग सी मासूमियत और चार्म जोड़ती हैं।

आमिर खान का बिल्कुल अलग और अनोखा लुक कहानी में एक और जोरदार तड़का लगा देता है। कुल मिलाकर, यह ट्रेलर मस्ती और पागलपन से भरी एक फुल ऑन रोलरकोस्टर राइड है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, गाँववालों ज् वो एक शेफ है, वो एक एजेंट है (थोड़ा-सा), वो एक हीरो है (शायद), और वो है हैप्पी पटेल! मिलिए हमारे खतरनाक जासूस से, 16 जनवरी से सिनेमाघरों में।

इसके अलावा आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा से हटकर और अलग तरह की कहानियां पेश करता आया है। लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी शानदार फिल्मों के बाद यह एक बार फिर कुछ नया दिखाने की कोशिश है। खास बात यह है कि इस बार उनकी साझेदारी मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ हुई है, जिन्होंने न सिर्फ अपने कॉमेडी स्पेशल्स के जरिए दुनियाभर में पहचान बनाई है, बल्कि गो गोआ गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम किया है। हैप्पी पटेल आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ वीर दास की दिल्ली बेली के बाद दूसरी फिल्म है।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास ने किया है। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

राहु केतु का दूसरा गाना यारी यही है हुआ जारी, अरमान मलिक ने दी आवाज

पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस कॉमेडी फिल्म के जरिए फुकरे वाले सनी-चूचा वापस आ रहे हैं, जिन्हें देखने के लिए लोग भी बेताब हैं। निर्माताओं की ओर से आगामी फिल्म का दूसरा गाना यारी यही है जारी कर दिया गया है। इसे अरमान मलिक ने आवाज दी है, और संगीत अभिजीत वघानी ने दिया है। इससे पहले पार्टी एंथम गाना मदिरा जारी हुआ था।

जी स्टूडियो के यूट्यूब चैनल पर रिलीज यारी यही है गाने को शुरुआत से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। यह गाना दोस्ती की एक नई मिसाल पेश करता है, जिसमें पुलकित और वरुण का भाईचारा लोगों के दिल को छू जाएगा। राहु केतु की कहानी 2 दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जिन्हें गांव वाले मनहूस समझते हैं। वह जहां और जिसके भी घर जाते हैं, उनका बुरा वक्त शुरू हो जाता है। फिल्म महाराजा वाली शालिनी पांडे भी इसमें हैं। फिल्म राहु केतु' की कहानी दो ऐसे दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें गांव वाले मनहूस मानते हैं। माना जाता है कि वे जहां भी जाते हैं या जिस घर में कदम रखते हैं, वहां परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इसी दिलचस्प और मजेदार कॉन्सेप्ट के साथ फिल्म दर्शकों को हंसी का पूरा डोज देने वाली है। इस फिल्म में शालिनी पांडे भी अहम भूमिका में नजर आएंगी, जिन्हें हाल ही में फिल्म महाराजा' में देखा गया था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हेयर सीरम लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, बाल नहीं हो पाएंगे लंबे

बालों की देखभाल करने के लिए बाजार में कई उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें से हेयर सीरम का अपना खास महत्व होता है। यह सबसे चर्चित उत्पादों में से एक है, जो बालों को चमकदार बनाता है और उलझने से भी रोकता है। वैसे तो इसे इस्तेमाल करना बेहद सरल होता है, लेकिन कई लोग इसे लगाते समय कुछ गलतियां कर बैठते हैं। इन 5 गलतियों की वजह से आपका हेयर सीरम आपकी बालों की समस्याएं बढ़ा सकता है।

बालों के प्रकार के हिसाब से हेयर सीरम न चुनना

काफी कम लोग यह बात जानते हैं कि हेयर सीरम भी बालों के प्रकार को ध्यान में रखते हुए चुनना चाहिए। अगर आप अपने लिए गलत हेयर सीरम चुन लेंगे तो आपके बाल स्वस्थ होने के बजाय रूखे होते जाएंगे। रूखे बालों वाले लोगों को आर्गन तेल या शीया बटर वाला सीरम लगाना चाहिए, जो नमी प्रदान कर सके। जिन लोगों के बाल घुंघराले होते हैं, उनके लिए नारियल तेल या ग्लिसरीन युक्त सीरम अच्छा रहता है।

सही मात्रा में हेयर सीरम न लगाना

कुछ लोग हेयर सीरम लगाते समय उसकी मात्रा पर ध्यान नहीं देते हैं। या तो वे जरूरत से ज्यादा सीरम इस्तेमाल कर लेते हैं या बहुत कम लगाते हैं। अगर आपके बाल छोटे या मध्यम लंबाई के हैं तो केवल 2 से 3 बूंद सीरम पर्याप्त होगा। लंबे बालों वाले लोगों को 5 बूंद सीरम इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। अगर आप बहुत ज्यादा सीरम लगा लेंगे तो आपके बाल चिपचिपे और तैलीय नजर आने लगेंगे।

गलत तरीके से हेयर सीरम इस्तेमाल करना

ज्यादातर लोग हेयर सीरम को हाथ में निकालते हैं, हथेलियों को रगड़ते हैं और उत्पाद को बालों पर रगड़ने लग जाते हैं। यह तरीका बिलकुल गलत है, क्योंकि यह उत्पाद तेल की तरह नहीं लगाया जाता। हाथों को रगड़ने से ज्यादातर उत्पाद उन पर ही लगा रह जाता है। जब आप सीरम को बालों पर रगड़ते हैं तो उत्पाद उनमें लगने के बजाय घर्षण पैदा करके उन्हें उलझा देता है। इसीलिए, हेयर सीरम को बालों पर हल्के हाथों से लगाएं।

सूखे बालों पर हेयर सीरम लगाना

हेयर सीरम इस्तेमाल करते समय लोग एक और आम गलती यह करते हैं कि वे इसे सूखे बालों पर लगा लेते हैं। हालांकि, इस उत्पाद को हमेशा थोड़े गीले बालों पर ही लगाना चाहिए। नम बालों में सीरम अच्छी तरह प्रवेश कर पाता है और बेहतर तरीके से वितरित होता है। इसे सूखे बालों पर लगाने से बालों में केवल चमक आ जाती है, लेकिन उन्हें कोई भी पोषण नहीं मिल पाता है।

नियमित रूप से उपयोग न करना

हेयर सीरम एक देखभाल उत्पाद है, जिसे नियमित रूप से इस्तेमाल करने की जरूरत होती है। हालांकि, कुछ लोग इसे केवल तब लगाते हैं जब वे कहीं जाने वाले होते हैं। इसे कभी-कभार ही इस्तेमाल करने से बालों का रूखापन, उलझना या टूटना कम नहीं हो सकेगा। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए आपको इसे हफ्ते में 2 से 3 बार लगाना होगा। हालांकि, इसे रोजाना लगाने से बचें, वर्ना रूसी की समस्या पैदा हो सकती है।

शब्द सामर्थ्य -092

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

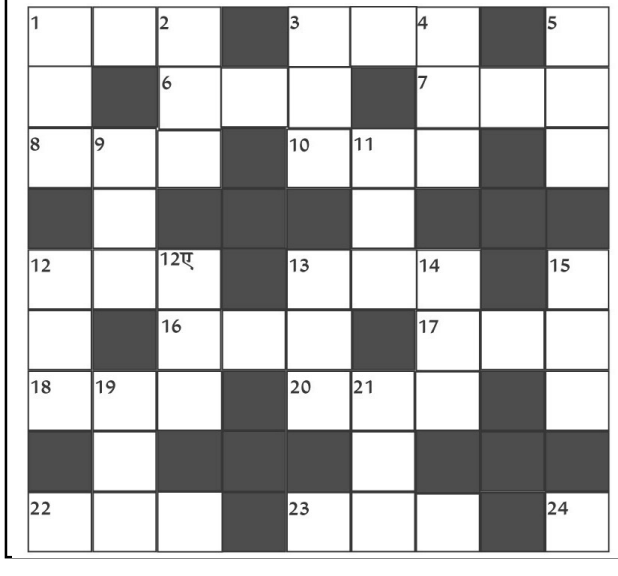

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

अक्षय कुमार और अनीस बज्मी की बन गई जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बज्मी की साझेदारी की चर्चा कई दिनों से है। दोनों ने साथ मिलकर सिंह इज किंग, थैंक यू और वेलकम जैसी कई सुपरहिट फिल्में दर्शकों को दी हैं। यह जोड़ी 15 साल के बाद दोबारा साथ काम करने वाली है, जिसकी पुष्टि किसी और ने नहीं, बल्कि अनीस ने खुद कर दी है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि अगर सबकुछ योजना के मुताबिक रहा, तो जल्द ही शूटिंग शुरू की जाएगी।

निर्देशक अनीस ने कहा, यह एक कॉमेडी फिल्म है। मैं अभी स्क्रिप्ट लिख रहा हूं, करीब पूरी हो चुकी है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो हम जल्द ही शूटिंग शुरू कर देंगे। काफी समय से चर्चा है कि अक्षय और अनीस मिलकर तेलुगु एक्शन कॉमेडी संक्रांतिकी वास्तुनम के रीमेक पर काम कर रहे हैं। जब अनीस से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कोई जानकारी साझा नहीं की।

अनीस ने अक्षय के साथ लंबे समय से चले आ रहे अपने संबंधों पर कहा, हमारे बीच आपसी प्रेम और सम्मान है। जब मैंने उन्हें इस फिल्म के बारे में बताया, तो वे बहुत खुश हुए। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू हो सकती है। दोनों ने आखिरी फिल्म 2011 में थैंक यू की थी। काम की बात करें, तो अक्षय आने वाले दिनों में वेलकम टू द जंगल, भूत बंगला, हेरा फेरी और हैवान जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

रजनीकांत की जेलर 2 में एक और अभिनेत्री शामिल, डांस नंबर में दिखेंगी

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर ने 2023 में रिलीज होकर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। अब निर्माता इस फिल्म का सीक्वल जेलर 2 लाने जा रहे हैं, जिसके लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पहले जानकारी आई थी कि सीक्वल में रजनीकांत के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन नजर आएंगी। इस खबर से लोग अभी फूले नहीं समाए थे, कि अब और बॉलीवुड अभिनेत्री का नाम जेलर 2 के साथ में जुड़ गया है। एक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया है कि नोरा फतेही को जेलर 2 में एक डांस नंबर के लिए शामिल किया गया है। सूत्र ने आगे बताया कि नोरा 8 दिनों से चेन्नई में हैं, जहां वह एक आउटडोर हाई-एनर्जी डांस नंबर की शूटिंग कर रही हैं। इसमें उनके साथ रजनीकांत भी होंगे जिसे साउथ स्टाइल का जोशीला गाना बताया जा रहा है। इस गाने को अनिरुद्ध रविचंद्र ने कंपोज किया है। 2023 में रिलीज जेलर का गाना कावाला खूब लोकप्रिय हुआ था। इस गाने में तमन्ना भाटिया ने डांस किया था। अब देखना दिलचस्प होगा कि नोरा सीक्वल में अपने डांस नंबर से दर्शकों का दिल जीत पाती हैं, या नहीं। फिलहाल निर्माताओं ने जेलर 2 की रिलीज तारीख 14 अगस्त, 2026 रखी है। ऐसा इसलिए क्योंकि उस वक्त लंबी छुट्टियां होंगी जिसका फायदा फिल्म को होने की पूरी उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है।

इंटरनेशनल स्मगलिंग नेटवर्क को खत्म करने के मिशन पर निकले इमरान हाशमी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी अपनी नई वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लौट रहे हैं। मेकर्स ने इस सीरीज का आखिरकार टीजर रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। सीरीज की कहानी, किरदार और सस्पेंस इस तरह से बुने गए हैं कि यह देखने में काफी रोमांचक लग रहा है। टीजर में साफ देखा जा सकता है कि यह कोई साधारण कहानी नहीं है, बल्कि एक हाई-प्रेशर माहौल की झलक देती है, जहां कानून और अपराध आमने-सामने खड़े हैं। टीजर के मुताबिक, फिल्म की कहानी एयरपोर्ट के कस्टम्स विभाग के इर्द-गिर्द घूमती है। यहां हर पैसेंजर, हर सूटकेस और हर दस्तावेज के पीछे रहस्य छुपे हो सकते हैं। इमरान हाशमी, सुपरिंटेंडेंट अर्जुन मीणा के किरदार में हैं, जो तेज-तर्रार अधिकारी हैं और अंतरराष्ट्रीय तस्करी के नेटवर्क पर अपनी पैनी नजर बनाए रखते हैं। उनका किरदार गंभीर और जिम्मेदारी से भरा है। टीजर की शुरुआत इमरान हाशमी के वॉयस ओवर से होती है, जिसमें वह कहते हैं, 2000 एकड़ में फैला मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स में से एक है। सदियों से जहां-जहां ट्रैवलर और बिजनेस हुआ है, वहां तस्करी भी हुई है। तस्करी यानी स्मगलिंग... कुछ सालों से स्मगलर और हमारे बीच आंख-मिचौली का खेल चलता आ रहा है। कभी वो जीतते हैं, तो कभी हम। वह आगे कहते हैं, हम कौन? हम पूरी दुनिया के तस्करों का सबसे बुरा सपना हैं, सीमा शुल्क अधिकारी, यानी कस्टम ऑफिसर... अगर कस्टम को शक है, तो चेकिंग तो होगी। सीरीज में इमरान हाशमी के अलावा शरद केलकर, अमृता खानविलकर, नंदिश सिंह संधू, अनुराग सिन्हा और जोया अफरोज प्रमुख भूमिकाओं में हैं। शरद केलकर का किरदार कहानी में रहस्य और मोड़ लाता नजर आएगा, जबकि अन्य कलाकार अपने-अपने रोल में कहानी को मजबूती देने का काम करेंगे। इनके अलावा फ्रेडी दारूवाला, अनुजा साठे, जमील खान, वीरेंद्र सक्सेना और हेमंत खेर जैसे कलाकार भी सीरीज में हैं। सीरीज का निर्देशन राघव जयरथ ने किया है, जबकि प्रोड्यूसर नीरज पांडे हैं। नीरज पांडे पहले भी स्पेशल 26, ए वेडनसडे, और स्पेशल ऑप्स जैसी कहानियों के लिए जाने जाते रहे हैं। तस्करी- द स्मगलर्स वेब 14 जनवरी 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

ब्लू बनारसी साड़ी में अनन्या पांडे लगीं अप्सरा

कार्तिक आर्यन की हीरोइन अनन्या पांडे चर्चा में छाईं। सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वह ब्लू बनारसी साड़ी पहने नजर आ रही हैं। अनन्या के इस गॉर्जियस लुक ने फैंस का दिल पूरी तरह जीत लिया है। उनकी तस्वीरें सामने आते ही इंटरनेट पर खूब शेयर हो रही हैं और कोई उनके इश लुक की तारीफ कर रहा है, तो कई उनको ट्रोल भी करते दिख रहे हैं।

अनन्या की ये खूबसूरत तस्वीरें फैशन डिजाइनर प्रियंका कपाड़िया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की हैं। तस्वीरों में अनन्या की नैचुरल ब्यूटी और भी निखरा हुआ चेहरा नजर आ रहा है। कैमरे के सामने उनका कॉन्फिडेंस और ग्रेस देखकर फैंस की नजरें उन पर टिक ही जा रही हैं।

एक्ट्रेस ने इस बार ब्लू बनारसी साड़ी को चुना है, जिसमें बेहद बारीक गोल्डन जरी की कारीगरी की गई है। साड़ी पर किया गया हैंडवर्क इसे और भी एलिगेंट बना रहा है। अनन्या ने पल्लू को ट्रेडिशनल तरीके से नहीं, बल्कि रैप स्टाइल में लिया है, जिसमें उनका कर्वी फिगर फ्लॉन्ट हो रहा है।

अनन्या के इस लुक को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके हॉल्टर नेक ब्लाउज पर हो रही है। इस ब्लाउज में मॉडर्न और ट्रेडीशनल का परफेक्ट मिक्स देखने को मिल रहा है। पीछे की ओर दी गई डोरी पूरे लुक का फोकस नेकलाइन पर ले आ रही है।

इसी ब्लाउज को देखते हुए कई फैंस ने उन्हे ट्रोल भी किया है, लोगों का सवाल है कि उन्होंने इतना टाइट ब्लाउज कैसे मैनेज किया?, इस तरह का एक नहीं बल्कि कई यूजर्स ने सवाल किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कई यूजर्स को अनन्या का ये स्टाइल पसंद नहीं आया और उन्होंने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया, सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने यह सवाल किया, लेकिन अनन्या का कॉन्फिडेंस बता रहा है कि उन्होंने इसे बेहद खूबसूरती से कैरी किया है।

अनन्या ने अपने आउटफिट को गोल्डन चांदबाली इयरिंग्स के साथ मैच किया है, जिनमें पर्ल और ग्रीन एमरल्ड की डिटेलिंग है। मेकअप नैचुरल रखा गया है ताकि साड़ी की रिचनेस उभरकर आए। बालों में लाल गुलाब लगाकर उन्होंने अपने लुक को क्लासी और एथनिक टच दिया है।

काम की बात करें तो अनन्या जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। इसके अलावा वह लक्ष्य के साथ अपनी रोमांटिक फिल्म चांद मेरा दिल में भी दिखाई देंगी।

विजय देवरकोंडा की फिल्म एसवीसी59 का टाइटल रिवील

श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस द्वारा प्रोड्यूस की गई एसवीसी59 के ऑफिशियल टाइटल का इंतजार अब खत्म हुआ। फैंस इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उनके इंतजार पर ब्रेक लगाते हुए मेकर्स ने एसवीसी59 के ऑफिशियल टाइटल का खुलासा किया है। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा और कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में हैं।

एसवीसी59 के मेकर्स ने क्रिसमस से पहले फैंस को तोहफा दिया है। मेकर्स ने सोमवार को एसवीसी59 के ऑफिशियल टाइटल का अनावरण किया है। सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल की झलक साझा करते हुए लिखा है, उसे देखो। उसे सुनो। नाम याद रखना - राउडी जनार्धना टाइटल ग्लिम्प्स अब रिलीज हो गया है। एक ऐसी पहचान का जन्म जो झुकने से इनकार करती है।

अक्टूबर में, विजय ने एक शुभ पूजा सेरेमनी के साथ अपनी नई फिल्म की ऑफिशियल एलान किया था और यह कन्फर्म किया कि नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश फीमेल लीड रोल निभाएंगी। मेकर्स ने लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरे भीं शेयर की थी।

हालांकि फिल्म का वर्किंग टाइटल एसवीसी59 था, लेकिन प्रोड्यूसर दिल राजू ने कन्फर्म किया है कि ऑफिशियल टाइटल राउडी जनार्दन है। इस फिल्म को रवि किरण कोला ने डायरेक्ट किया। यह एक हाई-वोल्टेज एक्शन ड्रामा वाली फिल्म है, जिसमें इमोशनल पहलू होंगे। यह एक ऐसा जॉनर है जिसमें विजय ने अक्सर बेहतरीन काम किया है।

क्रिस्टो जेवियर इस फिल्म के लिए म्यूजिक बना रहे हैं, जो बहुत बड़े बजट में बन रही है। उम्मीद है कि जल्द ही और भी दिलचस्प डिटेल्स अनाउंस किए जाएंगे। फिलहाल यह फिल्म तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारत की सबसे बड़ी समस्या वायु प्रदूषण

अजीत द्विवेदी

राजधानी दिल्ली और राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर का हर शहर वायु प्रदूषण की आपदा का शिकार है। यह अलग बात है कि सरकार इसे आपदा स्वीकार करने को तैयार नहीं है। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में बताया कि ऐसा कोई आंकड़ा देश में उपलब्ध नहीं है, जो किसी बीमारी या मृत्यु को सीधे तौर पर वायु प्रदूषण से जोड़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को सांस से संबंधित जो बीमारियां हो रही हैं उनमें हो सकता है कि एक कारण वायु प्रदूषण हो। इस तरह सरकार ने पल्ला झाड़ लिया और यह भी कह दिया कि सिर्फ वायु प्रदूषण से कोई बीमारी हो रही है या किसी की मौत हो रही है, इसका न कोई प्रमाण है और न कोई आंकड़ा है।

दूसरी ओर लोकलसर्कल्स की ओर से कराए गए ताजा सर्वेक्षण में दिल्ली में 82 फीसदी लोगों ने माना है कि है उनके किसी न किसी परिचित या रिश्तेदार को वायु प्रदूषण के कारण सांस से जुड़ी बीमारी हुई है। आठ फीसदी लोग दिल्ली छोड़ कर जाने को तैयार हैं और 74 फीसदी लोग इलाज के खर्च को लेकर चिंता में हैं। यह सर्वे तब का है, जब पड़ोस के राज्यों में किसानों का पराली जलाना बंद हो चुका है और फिर भी एक्यूआई सरकारी रीडिंग की अधिकतम सीमा पांच सौ तक पहुंचा हुआ है! असल में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का लगातार खराब' या बेहद खराब' या गंभीर' और खतरनाक' श्रेणी में होना सिर्फ दिल्ली और एनसीआर की परिघटना नहीं है। धीरे धीरे यह पूरे देश की परिघटना बन गई है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हवा की खराब गुणवत्ता करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। गंगा यमुना के मैदानी इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं लेकिन देश के ज्यादातर शहरों में हवा के साथ जो अलग अलग साइज का पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम लोगों के फेफड़ों में भर रहा है वह लोगों की उम्र घटा रहा है। वह छोटे छोटे बच्चों के फेफड़े भी खराब कर रहा है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में देश के ढाई सौ से ज्यादा शहरों में हवा की गुणवत्ता को मॉनिटर किया गया और उनमें से डेढ़ सौ शहरों में पीएम 2.5 की मात्रा इसके लिए निर्धारित राष्ट्रीय औसत से ज्यादा मिली। इसके मुताबिक गंगा यमुना का मैदानी इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित है। 2025 में दिल्ली में सर्दियों के मौसम में प्रति घनमीटर हवा में पीएम 2.5 का स्तर 107 से 130 रहा, जो भारत में तय राष्ट्रीय औसत 60 से दोगुने से भी ज्यादा है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ ने तय किया है कि प्रति घनमीटर पीएम 2.5 का औसत 15 होना चाहिए। इसके मुताबिक आठ गुने से भी ज्यादा है। पीएम 2.5 सबसे बारीक और खतरनाक धूल कण होते हैं, जो सांस के साथ शरीर में जाते हैं और रक्त कोशिकाओं में घुल कर शरीर के हर हिस्से में पहुंच जाते हैं। ये समान रूप से हृद्य को, मस्तिष्क को और दूसरे अहम अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं।

हवा की खराब गुणवत्ता दिल्ली के लोगों के जीवन को किस तरह से मुश्किल में डाल रही है इसको शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स से समझा जा सकता है। इसके मुताबिक भारत में 46 फीसदी यानी लगभग आधे भारतीय ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण के कारण औसत आयु में कमी आ रही है। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के ओर से तय पीएम 2.5 के औसत को आधार मान कर देखें तो दिल्ली में प्रति व्यक्ति औसत आयु आठ साल कम हो रही है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2025 के मुताबिक 2023 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में 20 लाख लोगों की मौत हुई है। प्रदूषण से जुड़ी मृत्युदर में सन 2000 के बाद से 40 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोचें, एक तरफ इतनी बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं, जो किसी न किसी रूप में प्रदूषण से जुड़ी हैं तो दूसरी ओर सरकार कह रही है कि उसके पास वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी और मौत का कोई आंकड़ा नहीं है!

ऐसा कैसे हो सकता है कि सरकार पीएम 2.5 और पीएम 10 के लोगों की सांस के साथ फेफड़े में और उनकी धमनियों में जाने के असर का आकलन नही कर सके, जबकि यह आज की समस्या नहीं है? दो दशक से ज्यादा समय से सर्दियों में पार्टिकुलेट मैटर्स के हवा के साथ नीचे आने और सांस के रास्ते लोगों के शरीर में प्रवेश करने और रक्त प्रवाह में शामिल होकर कई किस्म की बीमारियों को जन्म देने का खतरा जानकारों द्वारा बताया जा रहा है। पर्यावरण का अध्ययन करने वाली संस्थाओं के साथ साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले जानकार और डॉक्टर लगातार इसे लेकर चेतावनी दे रहे हैं। कई अध्ययन यह बताते हैं कि अगर हवा में पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो लंबे समय में यह मृत्यु दर को आठ फीसदी बढ़ा देता है और यह दिल की बीमारियों को कई गुना बढ़ाता है। सरकार विदेशी एजेंसियों के आंकड़ों पर सवाल उठा सकती है। लेकिन क्या एम्स दिल्ली की रिपोर्ट को भी खारिज कर सकती है? एम्स दिल्ली का क्लीनिकल डाटा बताता है कि अगर पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो बच्चों में सांस की बीमारियों में 20 से 40 फीसदी तक का इजाफा हो जाता है। उनके फेफड़े के काम करने की क्षमता 10 से 15 फीसदी तक कम हो जाती है। यह मामूली चिंता की बात नहीं है कि देश के छह फीसदी बच्चे अस्थमा जैसी बीमारी से ग्रस्त हो गए हैं। जिस तरह से वायु प्रदूषण दिल और फेफड़े को प्रभावित करता है उसी तरह से यह मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। रक्त प्रवाह के साथ पीएम 2.5 जब ब्रेन तक पहुंचता है तो कई किस्म की न्यूरो समस्याओं को जन्म देता है। बच्चों में सोचने समझने की क्षमता को कम कर देता है और बड़े लोगों में याद्दाश्त को घटाता है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि पीएम 2.5 की 10 अंक की मात्रा बढ़ने पर डिमेंशिया का खतरा 35 से 50 फीसदी तक बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण का खतरा वैसे तो हर वर्ग के लोगों के लिए है लेकिन सड़क के किनारे रहने वाले और औद्योगिक क्षेत्रों में खुले में रहने वाले लोग इससे ज्यादा प्रभावित हैं। क्षेत्र के हिसाब से देखें तो पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वायु प्रदूषण को सीजनल समस्या मान कर संभालने का प्रयास किया जाता है। सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ता है तो पराली जलाने से लेकर दिवाली के पटाखों या गाड़ियों के प्रदूषण पर इसका ठीकरा फोड़ा जाता है। इसके बाद ग्रेडेड रिस्पांस एक्सन प्लान यानी ग्रैप के जरिए इसे काबू में करने का प्रयास होता है। लेकिन ग्रैप तात्कालिक उपाय है यह प्रदूषण रोकने का उपाय नहीं हो सकता है। इसकी बजाय पूरे साल गाड़ियों का धुआं, उद्योगों का धुआं, निर्माण और तोड़ फोड़ से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाने और हाउसहोल्ड बायोमास को रोकने का प्रयास होना चाहिए। चीन की मिसाल से इसे समझना चाहिए। चीन में भारत से ज्यादा गाड़ियां हैं और ज्यादा धुआं निकलता है लेकिन उसने वायु प्रदूषण पर काबू पा लिया है।

सू- दोकू क्र.092

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.91 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

जीवन भर की पूंजी ठग लेते हैं साइबर ठग

हरिशंकर व्यास

ठगों का जब खातों का नेटवर्क बन जाता है तो वे फिर आसामी खोजते हैं। उससे डिजिटल अरेस्ट जैसे बहानों से बैंक खाते से पैसे ऐंठते हैं। डिजिटल अरेस्ट के लिए जो तरीके अपनाए जाते हैं उनमें सबसे प्रचलित यह है कि उस व्यक्ति के यहां फोन करके उसको यकीन दिलाया जाता है कि सामने से किसी लॉ इन्फोर्समेंट एजेंसी यानी पुलिस, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग का कोई व्यक्ति बोल रहा है। वह बताएगा कि आपके खाते में हवाला से पैसे आए हैं या किसी ड्रग स्मगलर के फोन में आपका नंबर मिला है या आपके पार्सल में ड्रग्स मिले हैं या आपके नाम का पासपोर्ट मिला है, जिस पर कोई आतंकवादी ट्रैवल कर रहा था या इस तरह की कई बातें हो सकती हैं। कई लोगों को खाता बंद होने की धमकी आती है तो कई लोगों को केवाईसी के लिए कहा जाता है, कई लोगों को मोबाइल बंद होने या बिजली कट जाने की बात कही जाती है तो कई लोगों को बड़े मुनाफे का लालच दिया जाता है।

बहुत सारे लोग इसमें नहीं फंसते हैं। लेकिन ठगों का मकसद बहुत लोगों को फंसाना नहीं होता है। कोई भी पैसे वाला व्यक्ति इसमें फंसेगा तो उससे वे जीवन भर की पूंजी ठग लेते हैं। इसके बाद वे ठगी के पैसे को अलग अलग खातों में भेजना शुरू करते हैं। इसे लेयरिंग कहा जाता है। वे कई लेयर बना कर रखते हैं। एक खाते से दूसरे में और दूसरे से तीसरे खाते में पैसे भेज कर ये अपने म्यूल से पैसे निकलवाते हैं या एटीएम को जरिए निकालते हैं या सीधे वहां से क्रिप्टो करेंसी खरीदने के लिए भेज देते हैं।

इस तरह पुलिस या जांच एजेंसियों की पहुंच असली ठग तक नहीं होती है। वे जांच करते करते पहुंचते हैं उन बेचारे गरीब, बेरोजगार या पैसे के लालच में अपना खाता दूसरों को इस्तेमाल के लिए देने वालों के पास। वे अनजाने में एक अपराध में शामिल हुए होते हैं और इसके लिए उनकी गिरफ्तारी होती है और वे जेल भी जाते हैं। यह धंधा इतना फल फूल रहा है कि भारत में शायद ही कोई व्यक्ति होगा, जिसके मोबाइल नंबर पर या ईमेल में इस किस्म के काम का मैसेज नहीं आया होगा। 2014 में मोदी सरकार ने जन धन खाते खुलवाए थे। 10 साल बाद बताया गया है कि 57 करोड़ से ज्यादा खाते खुले, जिसमें से 15 करोड़ से ज्यादा खाते निष्क्रिय हैं। ऐसे निष्क्रिय खातों का इस्तेमाल भी हवाला के पैसे को सफेद बनाने या ठगी के पैसे को जमा करने या निकालने के काम आता है। इसमें ठगों के साथ बैंककर्मियों की मिलीभगत भी होती है।

मारपीट करने पर पत्नि व सहयोगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट करने पर पुलिस ने पत्नी व उसके सहयोगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर निवासी इन्द्रप्रीत सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दवाई की दुकान में काम करता है। उसकी पत्नी उसको घर में नहीं आने देती इसलिए वह अपने आफीस में ही सोता है। गत दिवस देर रात उसकी पत्नी अपने साथ नदीम अहमद नामक व्यक्ति के साथ उसकी आफिस में आये और उसको दुकान से बाहर निकालकर उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। दोनों ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसको जान से मारने की धमकी दी। उसने पुलिस को बताया कि उसको व उसके बेटे को अपनी पत्नी व उसके सहयोगी से जान का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

परिणाम है कि आज देश के अन्य राज्य भी उत्तराखण्ड की नीतियों एवं कार्यक्रमों का अनुसरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए हमारी सरकार ने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार की योजनाएँ

जन-जन तक पहुँचें, यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास किया गया है। पारदर्शी प्रशासन, भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा त्वरित निर्णय हमारी सरकार की कार्यशैली की आधारशिला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून, नकल-रोधी कानून तथा धर्मांतरण के विरुद्ध कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से न्याय, अनुशासन, पारदर्शिता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ किया गया है। देवतुल्य जनता के विश्वास और सहयोग से विगत चार वर्षों में युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने, महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने, किसानों की आय में वृद्धि तथा गरीब एवं वंचित वर्गों के कल्याण हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ प्रभावी ढंग से लागू की गई हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में भी नए आयाम स्थापित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-अपेक्षाओं के अनुरूप सुनियोजित एवं त्वरित विकास की दिशा एवं दशा तय करने में सरकार न केवल सफल रही है, बल्कि अनेक क्षेत्रों में राज्यहित से जुड़े कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में अपेक्षा से अधिक सफलता भी प्राप्त हुई है। विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नवाचारों को नीति आयोग द्वारा सराहा गया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य को सतत विकास सूचकांक में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। निवेश और उद्योग के क्षेत्र में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। देश-विदेश के निवेशकों द्वारा प्रदेश में 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जिनमें से लगभग एक लाख करोड़ रुपये की ग्राउंडिंग हो चुकी है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने की दिशा में भी ठोस पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड ने अपनी इस गौरवपूर्ण विकास यात्रा में न केवल भौतिक प्रगति की है, बल्कि अपनी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक पहचान को भी सशक्त किया है। हमारा निरंतर प्रयास है कि आने वाले वर्षों में उत्तराखण्ड को और अधिक प्रगति के पथ पर अग्रसर किया जाए। उन्होंने राज्य के विकास में सभी प्रदेशवासियों की सक्रिय सहभागिता की भी कामना की।

'कांग्रेसी सांसद महावीर त्यागी.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

कहा वे संविधान सभा के है भी सदस्य रहे और 1967 तक तीन लोकसभाओं में इन्होंने दून की लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया।

जगमोहन मेंदीरत्ता ने बताया ओ.एन.जी.सी,आई.आई.पी. तथा लाल बहादुर शास्त्री अकादमी मसूरी और हरिद्वार में बी.एच.ई.एल. जैसे प्रतिष्ठानों की स्थापना में पूर्व सांसद का महत्वपूर्ण योगदान था। सुशील त्यागी ने कहा केंद्र सरकार में उन्होंने राजस्व तथा रक्षा मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने बैंगलोर के हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड में हवाई जहाजों का निर्माण कार्य भी शुरू कराया।।अनिल नौरिया के अनुसार 1957 में वे डायरेक्ट टैक्सेज एडमिनिस्ट्रेशन इंक्वायरी कमेटी के चेयरमैन तथा 1962 में पब्लिक अकाउंट्स कमेटी के अध्यक्ष भी रहे।1964 में वे मिनिस्टर फॉर रिहैबिलिटेशन रहे। विभिन्न पदों पर रहते हुए त्यागी ने अपनी योग्यता से व्यवस्थाओं में सुधार का मार्ग प्रशस्त किया।वक्ताओं के अनुसार देहरादून में इनकी याद में त्यागीरोड और सहस्त्रधारा चौक का नामकरण महावीर त्यागी चौक करना दून वासियों के सम्मान का प्रतीक है।वक्ताओं ने इस चौक पर महावीर त्यागी की प्रतिमा स्थापित करने की भी सरकार से मांग की है।अन्य वक्ताओं में सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के सत्य प्रकाश चौहान,बीएस नेगी, रेड क्रॉस समित के मोहन सिंह खत्री,दिनेश भंडारी,डॉ एस के गोविल,प्रेम खन्ना,उमेश्वर सिंह रावत,एस के चावला,राकेश पंत,वीरेंद्र त्यागी,टीटू त्यागी जगदीश बावला आदि थे।

मुख्यमंत्री ने सैनिक मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हाथीबड़कला, देहरादून में नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्व सैनिक मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सैनिकों और पूर्व सैनिकों की वीर भूमि है और राज्य सरकार उनके सम्मान, पुनर्वास एवं कल्याण के लिए निरंतर संवेदनशील एवं सक्रिय है। उन्होंने कहा कि सैनिक पुत्र होने की वजह से उन्होंने सेना के अनुशासन, त्याग और देशभक्ति को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे सैनिकों से संबंधित हर कार्यक्रम में जाने का प्रयास करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर महत्वपूर्ण अवसर पर सैनिकों के बीच जरूर जाते हैं। सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए लिए प्रधानमंत्री ने अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, सीमावर्ती क्षेत्रों के तीव्र विकास, सैनिकों के लिए आधुनिक उपकरणों, आवास एवं कल्याण सुविधाओं में लगातार वृद्धि की गई है, जिससे सक्रिय सैनिकों के साथ-साथ पूर्व सैनिक समुदाय का मनोबल और गौरव भी और अधिक बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में शहीद आश्रितों, पूर्व सैनिकों और सेवा निवृत्त सैन्य कर्मियों के लिए विविध कल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सैनिक और पूर्व सैनिक देश की शान हैं, जिनके त्याग, बलिदान और अनुशासन के कारण आज भारत सुरक्षित और सशक्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। राज्य सरकार द्वारा सैनिकों को मिलने वाली पुरस्कार एवं सम्मान राशि में कई गुना वृद्धि की गई है, जिससे शहीदों और वीर सैनिकों के सम्मान को और अधिक गरिमा मिली है। उन्होंने कहा कि सीमा पर देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले जवानों के परिजनों को सरकारी नौकरी प्रदान करने का संवेदनशील और ऐतिहासिक निर्णय धामी सरकार ने लिया है। उन्होंने कहा कि अब तक 28 शहीद सैनिकों के परिजनों को सरकारी सेवा में रोजगार प्रदान किया जा चुका है, जो सरकार की सैनिक परिवारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह, ब्रिगेडियर केजी बहल, मेजर जनरल सम्मी सबरवाल, ले.जनरल अश्वनी कुमार, मेजर जनरल ओपी राणा, ब्रिगेडियर जेएनएस बिष्ट, मेजर जनरल देवेश अग्निहोत्री, मेजर जनरल ओपी सोनी, मेजर जनरल आनंद रावत सहित पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर सचिव डॉ. राजेश कुमार का एक्शन

मेडिकल स्टोर सील, नशीली दवाएं बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के बाद ड्रग विभाग ने ज्वालापुर क्षेत्र में अवैध दवा बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त एफडीए डॉ. आर. राजेश कुमार के कड़े निर्देशों के क्रम में यह कार्रवाई अमल में लाई गई, जिससे स्वास्थ्य नियमों की अनदेखी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि धर्मनगरी हरिद्वार के ज्वालापुर स्थित पीठ बाजार क्षेत्र में संचालित सुपर हेल्थ मेडिकोज नामक मेडिकल स्टोर पर नियमों को ताक पर रखकर दवाओं की अवैध बिक्री की जा रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ड्रग विभाग ने त्वरित संज्ञान लिया और जांच के आदेश जारी किए। ड्रग इंस्पेक्टर हरीश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और संबंधित मेडिकल स्टोर की गहन जांच की। जांच के दौरान दवाओं के रख-रखाव, बिक्री से जुड़े दस्तावेज, लाइसेंस की वैधता, स्टॉक रजिस्टर और दवा वितरण की प्रक्रिया की बारीकी से पड़ताल की गई। टीम ने यह भी देखा कि बिना चिकित्सकीय पर्ची के दवाएं तो नहीं बेची जा रही हैं और दवाओं की एक्सपायरी व गुणवत्ता मानकों का पालन हो रहा है या नहीं।

प्रारंभिक जांच में कुछ अनियमितताओं की पुष्टि होने पर विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ड्रग इंस्पेक्टर हरीश सिंह ने बताया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोर के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य से कोई भी खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विभागीय जांच के दौरान जब ड्रग इंस्पेक्टर हरीश सिंह ने मेडिकल स्टोर संचालक से दवाइओं के क्रय-विक्रय से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मांगे, तो मेडिकल स्टोर संचालक उक्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। इसके अतिरिक्त विभाग को मेडिकल स्टोर से कुछ नशीली एवं प्रतिबंधित दवाइयां भी बरामद हुईं। वहीं दस्तावेजों की कमी और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए ड्रग विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाया और मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। विभाग का कहना है कि आगे भी सीएम हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी ग्राम निवासी अंकित राय ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गांधी रोड पर किसी काम से गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल विक्टोरिया होटल की गली में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री ने 215 उपनिरीक्षकों को दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 215 उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। जिसमें 104 उप-निरीक्षक, 88 गुल्मनायक (पी.ए.सी) एवं 23 अग्निशमन द्वितीय अधिकारी शामिल हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में 215 उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। जिसमें 104 उप-निरीक्षक, 88 गुल्मनायक (पी.ए.सी) एवं 23 अग्निशमन द्वितीय अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने नवनियुक्त उप निरीक्षकों से कहा कि अब तक की उनकी परीक्षा केवल शुरुआत थी, असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। उन्हें अब प्रदेश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन एवं अग्निशमन जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड दो अंतरराष्ट्रीय एवं दो आंतरिक सीमाओं से लगा राज्य है। राज्य में शांति एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नशा, साइबर क्राइम, महिला अपराध, यातायात, आपदा प्रबंधन, चारधाम एवं कांवड़ यात्रा जैसे अनेक मोर्चों पर पुलिस की प्रभावी भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्मार्ट पुलिस' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल को आधुनिक तकनीक, अत्याधुनिक उपकरणों और उत्कृष्ट प्रशिक्षण से परिपूर्ण करने के लिए कृतसंकल्प है। बीते तीन वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवास के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं तथा कैशलैस स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा एवं डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। महिला सुरक्षा को लेकर उत्तराखंड पुलिस के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने महिला अपराधों के निस्तारण में राष्ट्रीय औसत से दोगुनी सफलता प्राप्त की है तथा गृह मंत्रालय की रिपोर्ट अनुसार पोक्सो एवं महिला अपराधों के मामलों के निस्तारण में देश में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। इसके परिणामस्वरूप बीते चार वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। राज्य में सभी परीक्षाएँ पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजानदास, उमेश शर्मा काऊ, सचिव गृह शैलश बगोली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. वी. मुरूगेशन, ए.पी अंशुमान, आईजी योगेन्द्र सिंह रावत एवं पुलिस के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीपलकोटी सुरंग में दो लोको ट्रेनों की टक्कर में कई मजदूर हुए घायल

❑घटना के समय 109 श्रमिक सुरंग के भीतर मौजूद थे

कार्यालय संवाददाता

चमोली। चमोली जनपद के पीपलकोटी स्थित निर्माणाधीन टीएचडीसी विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीबीएम साइट पर मंगलवार को शिफ्ट परिवर्तन के दौरान सुरंग के भीतर मजदूरों को लाने-ले जाने वाली दो लोको ट्रेनों की आपस में टक्कर हो गई, घटना के समय 109 श्रमिक सुरंग के भीतर मौजूद थे।

घटना की जानकारी प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी चमोली से दूरभाष पर वार्ता कर घटना की पूरी जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने और आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सालयों में रेफर करने के निर्देश दिए। हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी चमोली श्री गौरव कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुरजीत सिंह पंवार तत्काल जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचे तथा वहां भर्ती घायलों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और चिकित्सकों को घायलों के समुचित एवं बेहतर उपचार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी चमोली श्री गौरव कुमार ने जानकारी दी कि 70 श्रमिकों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया, जिसमें से 66 का प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया है 04 श्रमिकों को जिला चिकित्सालय में एडमिट किया गया है। पीपलकोटी विवेकानंद चिकित्सालय में 18 श्रमिकों का प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया है। 21 श्रमिकों को को कोई चोट नहीं लगी है, वे घटना स्थल से ही घर चले गए थे।

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष से गौरव पांडेय ने की शिष्टाचार भेंट

हमारे संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से गौरव पांडेय ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर गौरव पांडेय ने नितिन नवीन को उनके महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस अवसर पर गौरव पांडेय ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि जब नितिन नवीन युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री थे, तब उनके साथ युवा मोर्चा की कार्यकारिणी में कार्य करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि इतने बड़े दायित्व पर पहुँचने के बाद भी नितिन नवीन की सादगी, अपनापन और सहज व्यवहार आज भी वैसा ही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग और विशेष बनाता है। इस मौके पर बाबा जगेश्वर से प्रार्थना की गई कि वे नितिन नवीन पर सदैव अपनी कृपा बनाए रखें और वे संगठन को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा और मजबूती प्रदान करते रहें।

बिजली के तारों से धधकी आग, 6 दोपहिया वाहन हुए जलकर खाक

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में विद्युत लाइन की तारें टूटकर गिरने से तीन स्कूटी और तीन मोटर साइकिलें रात के अंधेरे में स्वाहा हो गई। सूचना मिलने पर फायर सर्विस के लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार नैनीताल में मल्लीताल के बी.डी.पांडेय अस्पताल के समीप पिछले हिस्से में देर रात से तड़के सवेरे तक एक आगजनी की घटना सामने आई है। इस आग ने गैराज के आगे पार्किंग स्थल पर खड़ी तीन बाइक और तीन स्कूटी को जलाकर खाक कर दिया। आग देर रात से तड़के सवेरे की बताई जा रही है, जब विद्युत लाइन के नीचे खड़ी सभी दोपहिया एक साथ जल गए।

अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी ने आशंका जताई है कि संभवत: हवा के चलते विद्युत लाइन टूटकर इनपर गिरी होगी। अस्पताल के गैराज के आगे से खड़ी 3 स्कूटी और तीन मोटर साइकिल में उसी से आग लगी होगी। कहा कि इसमें, इन दोपहिया के अलावा किसी भी प्रकार की जनहानि या दूसरा नुकसान नहीं हुआ है। ये भी जानकारी मिली है कि सभी दोपहिया टैक्सी बाइकें थी जो पास में ही वास करने वालों की थी। इन बाईकों और स्कूटी के जलने से लाखों रुपयों का नुकसान माना जा रहा है।

आबकारी आयुक्त, अनुराधा पाल का बड़ा आदेश, नववर्ष ड्यूटी में अनिवार्य होगी वर्दी

संवाददाता

देहरादून। आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल ने निर्देश दिया है कि विभाग में जिला आबकारी अधिकारी स्तर तक के अधिकारियों के लिए वर्दी पहनना अनिवार्य है।

आज यहां उत्तराखंड आबकारी विभाग में पहली महिला आयुक्त अनुराधा पाल की सख्ताई साफ तौर पर दिखाई देने लगी हैं। विभागीय अनुशासन और प्रभावी प्रवर्तन को लेकर उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि अब नियमों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग में जिला आबकारी अधिकारी स्तर तक के अधिकारियों के लिए वर्दी पहनना अनिवार्य है, लेकिन लंबे समय से यह देखने में आ रहा था कि कई अधिकारी वर्दी के बजाय सिविल ड्रेस में ही अधिक नजर आते हैं। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए आयुक्त अनुराधा पाल ने सख्त आदेश जारी किए हैं कि नववर्ष 2026 के अवसर पर सभी अधिकारी वर्दी में रहकर ही अपनी ड्यूटी का निर्वहन करेंगे। आयुक्त का मानना है कि वर्दी में अधिकारियों की मौजूदगी से न केवल विभाग की पहचान स्पष्ट होगी, बल्कि आम जनता तक आबकारी विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई और नियमों की सही जानकारी भी प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। इससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। नववर्ष 2026 के अवसर पर उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। आबकारी आयुक्त, उत्तराखंड देहरादून की ओर से जारी आदेश के अनुसार देहरादून, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, उधमसिंह नगर और नैनीताल जनपदों में संचालित समस्त बारों को विशेष प्रतिबंधों के तहत नववर्ष आयोजनों के दौरान संचालन की अनुमति दी जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 30 दिसंबर 2025 से लेकर 1 जनवरी 2026 की देर रात तक सभी बारों का संचालन पूरी तरह शांतिपूर्ण और नियमों के अनुरूप होना चाहिए। इस दौरान जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी आयुक्त, आबकारी निरीक्षक और प्रवर्तन इकाइयों का स्टाफ अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। सभी अधिकारी वर्दी में रहकर चेकिंग, निरीक्षण और निगरानी का कार्य करेंगे, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। बार संचालकों को कानून व्यवस्था और शांति व्यवस्था से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा। आबकारी विभाग ने साफ निर्देश दिए हैं कि "डोंट ड्रिंक एंड ड्राइव" अभियान का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।